काल निर्णय

साधक, पाठक तथा सर्वजन सामान्य के लिए समय का वह रूप यहां प्रस्तुत है; जो किसी भी व्यक्ति के जीवन में उन्नति का कारण होता है तथा जिसे जान कर आप स्वयं अपने लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

नीचे दी गई सारिणी में समय को श्रेष्ठ रूप में प्रस्तुत किया गया है - जीवन के लिए आवश्यक किसी भी कार्य के लिये, चाहे वह व्यापार से सम्बन्धित हो, नौकरी से सम्बन्धित हो, घर में शुभ उत्सव से सम्बन्धित हो अथवा अन्य किसी भी कार्य से सम्बन्धित हो, आप इस श्रेष्ठतम समय का उपयोग कर सकते हैं, और सफलता का प्रतिशत **99.9%** आपके भाग्य में अंकित हो जायेगा।

ब्रह्म मुहूर्त का समय प्रातः 4.24 से 6.00 बजे तक ही रहता है।

वार/दिनांक	श्रेष्ठ समय	
रविवार (मई 3, 10, 17, 24, 31) (जून 7, 14)	दिन	06:00 से 08:24 तक 11:36 से 02:48 तक 03:36 से 04:24 तक
	रात	06:48 से 10:00 तक 12:24 से 02:48 तक 04:24 से 06:00 तक
सोमवार (मई 4, 11, 18, 25) (जून 1, 8)	दिन	06:00 से 07:30 तक 09:12 से 11:36 तक
	रात	08:24 से 11:36 तक 02:48 से 03:36 तक
मंगलवार (मई 5, 12, 19, 26) (जून 2, 9)	दिन	10:00 से 11:36 तक 04:30 से 06:00 तक
	रात	06:48 से 10:00 तक 12:24 से 02:48 तक 05:12 से 06:00 तक
बुधवार (मई 6, 13, 20, 27) (जून 3, 10)	दिन	06:48 से 10:00 तक 02:48 से 05:12 तक
	रात	07:36 से 09:12 तक 12:24 से 02:48 तक
गुरुवार (मई 7, 14, 21, 28) (जून 4, 11)	दिन	06:00 से 07:36 तक 10:00 से 11:36 तक 04:24 से 06:00 तक
	रात	09:12 से 11:36 तक 02:00 से 04:24 तक
शुक्रवार (मई 8, 15, 22, 29) (जून 5, 12)	दिन	06:00 से 06:48 तक 07:36 से 10:00 तक 12:24 से 03:36 तक
	रात	07:36 से 09:12 तक 10:48 से 11:36 तक 01:12 से 02:48 तक
शनिवार (मई 2, 9, 16, 23, 30) (जून 6, 13)	दिन	06:00 से 06:48 तक 10:30 से 12:24 तक
	रात	08:24 से 10:48 तक 02:48 से 03:36 तक 05:12 से 06:00 तक

मई 2026

मेष

वर्तमान समय मिश्रित फलकारक है। महत्वपूर्ण कार्य की विलम्बता से मन में निराशा का भाव आ सकता है। किसी पुराने वाद-विवाद को लेकर संघर्ष की स्थिति बन सकती है, आत्मविश्वास से परिस्थिति का सामना करें, गुरु कृपा से बड़ी से बड़ी समस्या पर विजय प्राप्त कर सकते है। संतान के भविष्य को लेकर शान्ति का अनुभव होगा। इस माह परिवार के साथ यात्रा पर जा सकते हैं, यात्रा सुखद् रहेगी। आप अनुकूलता हेतु **'नृसिंह साधना'** (अप्रैल 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 8, 15, 20, 25 हैं।

वृषभ

आलस्य के कारण सामान्य रूप से प्राप्त होने वाली सफलता भी असफलता में बदल जाती है। आप आलस्य का त्याग कर कर्मपथ पर गतिशील होने का प्रयास करें, कर्मपथ के अवरोधों से घबराएं नहीं। इस माह परिवार में चला आ रहा सम्पति विवाद समाप्त हो सकता है, आप समझदारी के साथ हल निकालने का प्रयास करें। अपने शत्रु पक्ष को कमजोर नहीं समझे, शत्रु पक्ष हानि पहुंचाने का प्रयास करेंगे। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'तारा महाविद्या दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 8, 13, 18, 31 हैं

मिथुन

अपने हितैषी और शुभ चिन्तकों का सदैव ध्यान रखें। इनके द्वारा दी गई कठोर सलाह, सुझाव आपके तत्काल फल नहीं दे, पर भविष्य में लाभ अवश्य होगा। इस माह आर्थिक पक्ष को लेकर सावधानी रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्रोत से धन लाभ होगा, किन्तु अनावश्यक खर्च को भी नियन्त्रित करना पड़ेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य को लेकर चिन्ता हो सकती है, यात्रा करते समय सावधानी रखें। अनुकूलता हेतु **'अक्षय पात्र साधना'** (अप्रैल 2026) सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 4, 13, 23, 31 हैं।

कर्क

ज्योतिष गणनानुसार समय मिश्रित फलकारक है, इस माह आय-व्यय को सन्तुलित करने की विशेष आवश्यकता है। इस हेतु योजना बनाकर कार्य करें। अनावश्यक खर्च को नियन्त्रित करें और निवेश करते समय विशेष सावधानी रखें। कार्य स्थल में अपनी वाणी पर संयम रखें अन्यथा वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है। विद्यार्थी वर्ग को उनके परिश्रम के अनुरूप सफलता प्राप्त हो सकती है। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'कमला महाविद्या दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 4, 16, 22, 30 हैं।

सिंह

आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी, किन्तु आप इससे प्रभावित होकर स्वयं में अहं भाव न आने दें अन्यथा आपके बनते कार्य बिगड़ सकते है। अपने व्यक्तित्व को शांत और संयमित रखें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, साथ ही लम्बे समय से अटके अचल सम्पत्ति विवाद का हल आपके पक्ष में हो सकता है। विद्यार्थी वर्ग के लिये समय चुनौतिपूर्ण है, लक्ष्य के प्रति लापरवाही नुकसान दायक हो सकती है। आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'तंत्र बाधा निवारण दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 9, 16, 25, 28 हैं।

कन्या

योजनाबद्ध रूप से सम्पन्न कार्यों में सफलता की संभावना बहुत अधिक होती है। आप भी अपने अस्त-व्यस्त कार्यों को योजनाबद्ध करने का प्रयास करें, समय आपके अनुकूल है। परिणाम स्वरूप आपको लाभ भी प्राप्त होगा। इस माह क्रोध को अपने से दूर रखें अन्यथा बनते कार्य बिगड़ सकते है। राजकीय एवं न्यायिक कार्यों में सफलता प्राप्त हो सकती है। जीवन साथी के साथ वाद-विवाद की स्थिति समाप्त करें। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'रसेश्वरी मातंगी दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथिया - 9, 20, 27, 31 हैं।

तुला

समय की चाल आपके पक्ष में है, आपकी आशा अनुरूप ही कार्य पूर्ण हो सकते है। इस माह आपके आय में वृद्धि की संभावना है, योजनाबद्ध प्रयास करें। आकस्मिक और अतिरिक्त आय से आपका आर्थिक पक्ष मजबूत हो सकता है। परिवार में हर्ष का वातावरण रहेगा, संतान के भविष्य को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय होंगे। निकटम सहयोगी, मित्र की खिन्नता आपको परेशान कर सकती है। आप अनुकूलता हेतु **'कनक धारा यंत्र साधना'** (अप्रैल 2025) अवश्य सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 4, 13, 20, 30 हैं।

वृश्चिक

धोखा और विश्वासघात तब ही होता है, जब आंख बन्द कर विश्वास किया जाता है इसलिये आप इस मामले में सावधानी रखें। माह के प्रारम्भ स्थितियां प्रतिकूल हो सकती है, किन्तु कोई स्थिति सदा के लिये नहीं होती। समय के साथ स्थितियां सामान्य हो जाती है। सद्गुरुदेव की कृपा से आप सही मार्ग कर चयन करेंगे, हर स्थिति में विजय आपकी ही होगी। आश्चर्यजनक सफलता के लिये धैर्य रखें। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'छिन्नमस्ता महादीक्षा'** अवश्य ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 5, 9, 15, 24 हैं।

धनु

अपने परिश्रम और मेहनत के बल पर आप सफलता प्राप्त करेंगे, परिणाम स्वरूप बोनस और प्रमोशन के रूप में सफलता प्राप्त हो सकती है। व्यापारी वर्ग अपना कार्य विस्तार करने में सफल होगा, आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। इस माह परिवार में मांगलिक कार्यक्रम हो सकता है, मित्रों एवं परिवारजनों के साथ सम्बन्ध मधुर होंगे। जीवन साथ का सहयोग आपके लिये लाभप्रद सिद्ध होगा। अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'राजयोग भाग्योदय दीक्षा'** अवश्य ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 11, 18, 25, 28 हैं।

मकर

आवेश की ज्वाला व्यक्ति के सोचने-समझने की शक्ति जला देती है। आवेश में व्यक्ति भाग्य की लिखी सफलता को भी असफलता में बदल देता है। इस माह आप धैर्य और संयम को व्यवहार में उतार कर कार्य करें। अर्थ की दृष्टि से यह माह आपके लिये बहुत लाभकारी सिद्ध होगा। शत्रुपक्ष

☆ **सर्वार्थ सिद्धि योग** - 4, 8, 9, 13, 14, 15, 18, 21, 25, 27 मई / 5, 6, 9, 11, 12, 14, 15 जून ☆ **अमृत योग** - 18, 21 मई/ 14, 15, 18 जून ☆ **द्विपुष्कर योग** - 7 जून ☆ **त्रिपुष्कर योग** - 3 मई/ 16, 21 जून ☆ **गुरुपुष्य योग** - 21 मई/18 जून ☆

उन्नति में बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करेगा। जीवन साथी का सहयोग आपके लिये लाभकारी सिद्ध होगा। आप **'शनि प्रसन्न साधना'** (अप्रैल 2026) करें। शुभ तिथियां - 2, 11, 20, 31 हैं

कुम्भ

इस माह आपको आपके परिश्रम और धैर्य का कर्मफल आर्थिक और सामजिक रूप में प्राप्त होगा। आप कार्यक्षेत्र, व्यापार इत्यादि में उच्चता के नये आयाम स्थापित करेंगे। शत्रु पक्ष आपकी उन्नति से खिन्न होकर आपको नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकता है, अतः सावधानी रखें। आय के नवीन स्रोत बनेंगे, घर-परिवार में सामंजस्य बढ़ेगा। माता-पिता का आशीर्वाद एवं सहयोग प्राप्त होगा। आप अनुकूलता हेतु **'नटराज शिव साधना'** (मार्च 2026) अवश्य सम्पन्न करें। शुभ तिथियां - 1, 12, 21, 30 हैं।

मीन

नवग्रहों की गणनानुसार वर्तमान समय मिश्रित फलकारक रहेगा। कार्यालय, ऑफिस में कार्य की अधिकता से आप मानसिक रूप से थके हुए अनुभव करेंगें, ध्यान और योग के द्वारा अपने आत्मबल को मजबूत करें। इस माह बेरोजगार व्यक्तियों को योग्यतानुसार रोजगार प्राप्त होने की संभावना है, अतः प्रयास तीव्र करें। गुरु कृपा एवं वसुधा लक्ष्मी के आशीर्वाद से आप नवीन भूमि क्रय कर सकते है। आप अनुकूलता हेतु सद्गुरुदेव से **'बगलामुखी दीक्षा'** ग्रहण करें। शुभ तिथियां - 7, 18, 25, 31 हैं।

इस मास के व्रत, पर्व एवं त्यौहार

16 मई	ज्येष्ट कृ.-30	शनिवार	शनि जयन्ती
17 मई	ज्येष्ट अ. शु.-01	सोमवार	ज्येष्ठ अधिक मास
25 मई	ज्येष्ट अ. शु.-10	सोमवार	गंगा दशमी
27 मई	ज्येष्ट अ. शु.-11	बुधवार	पुरुषोतमा एकादशी
28 मई	ज्येष्ट अ. शु.-12	गुरुवार	प्रदोष
31 मई	ज्येष्ट अ. शु.-15	रविवार	पुरुषोत्तम पूर्णिमा
11 जून	ज्येष्ट अ. कृ.-11	गुरुवार	पुरुषोतमा एकादशी
15 जून	ज्येष्ट अ. कृ.-30	सोमवार	सोमवती अमावस्या

आज क्या करना है - वराहमिहिर वचन

किसी भी कार्य को प्रारम्भ करने से पूर्व प्रत्येक व्यक्ति के मन में संशय-असंशय की भावना रहती है कि यह कार्य सफल होगा या नहीं, सफलता प्राप्त होगी या नहीं, बाधाएं तो उपस्थित नहीं हो जाएंगी, पता नहीं दिन का प्रारम्भ किस प्रकार से होगा, दिन की समाप्ति पर वह स्वयं को तनावरहित कर पायेगा या नहीं? प्रत्येक व्यक्ति कुछ ऐसे उपाय अपने जीवन में अपनाना चाहता है, जिनसे उसका प्रत्येक दिन उसके अनुकूल एवं आनन्दयुक्त बन जाए। कुछ ऐसे ही उपाय आपके समक्ष प्रस्तुत हैं, जो वराहमिहिर के विविध प्रकाशित-अप्रकाशित ग्रंथों से संकलित हैं, जिन्हें यहां प्रत्येक दिवस के अनुसार प्रस्तुत किया गया है तथा जिन्हें सम्पन्न करने पर आपका पूरा दिन पूर्ण सफलतादायक बन सकेगा।

जून - 2026

1. प्रातः **'मधुरूपेण रूद्राक्ष'** (न्यौ. 150/-) का पूजन कर पूजा कक्ष में रख दें, इच्छित कार्य सम्पन्न होगा।
2. प्रातः **'मंगल स्तोत्र'** का पाठ कर दिन का प्रारम्भ करें।
3. **'महागणपति यंत्र'** (न्यौ. 350/-) का पंचोपचार पूजन कर गणपति मंदिर में अर्पित कर दें, कार्य सिद्धि होगी।
4. प्रातः विशेष **'गुरु पूजन'** अवश्य सम्पन्न करें तथा गुरु सेवा का प्रण करें। जीवन में शुभत्व का प्रारम्भ होगा।
5. मीठा दही खाकर ही घर से निकलें, कार्य में सफलता प्राप्त होगी।
6. हनुमान विग्रह को सिन्दूर और तेल चढ़ायें, बाधा समाप्त होगी।
7. सद्गुरुदेव से **'चामुण्डा शक्ति दीक्षा'** ग्रहण करें।
8. शिवलिंग पर दुग्ध मिश्रित जल चढ़ाते हुए **'ॐ हौं जूः सः'** महामृत्युंजय मंत्र का जप करें, आपकी मनोकामना पूर्ण होगी।
9. **हनुमान चालीस** का पाठ कर, दिन का आरम्भ करें
10. अपने इष्ट का स्मरण कर, दिन का प्रारम्भ करें।
11. **पुरुषोतम एकादशी** पर सम्पन्नता एवं समृद्धि हेतु **अक्षय पात्र साधना, कनकधारा यंत्र साधना, नारायण लक्ष्मी साधना एवं महालक्ष्मी साधना** सम्पन्न करें।
12. पांच लौंग पान में रखकर घर के बाहर रख दें, आने वाली बाधा समाप्त होगी।
13. सरसों के तेल का दान करें, बाधा समाप्त होगी।
14. **'गायत्री मंत्र'** की 5 माला मंत्र जप करें।
15. **सोमवती अमावस्या** पर ग्रह बाधा दोष शांति हेतु **'चन्द्रमौलिश्वर साधना'** (पृष्ठ सं. 18) सम्पन्न करें।
16. प्रातः गुड़ घी खाकर ही घर से निकलें।
17. **रम्भा तृतीया** के शुभ मुहूर्त में 'अनंग रति साधना' सम्पन्न करें।
18. सद्गुरुदेव से से **'गुरु हृदस्थ धारण दीक्षा'** ग्रहण करें।
19. अपने भोजन में सफेद वस्तुओं (दूध, दही, चावल और सफेद मिठाई आदि) को प्राथमिकता प्रदान करें।
20. **विंध्यवासिनी जयन्ती** पर तंत्र बाधा, तंत्र दोष समाप्त करने हेतु **'विंध्यवासिनी साधना'** (जून 2026) सम्पन्न करें।
21. **गुरु जन्म** दिवस पर **विशेष गुरु पूजन** सम्पन्न करें और **गुरु सेवा का संकल्प** लें।
22. गन्ने का रस से शिवलिंग का अभिषेक करें।
23. **महेश नवमी** पर अपने मन-मस्तिष्क को सुदृढ़ करने हेतु **'चन्द्रमौलिश्वर साधना'** (पृष्ठ सं. 18) सम्पन्न करें।
24. **बटुक जयन्ती** के शुभ मुहूर्त में **'बटुक भैरव साधना'** (जून 2026) सम्पन्न करें तथा सद्गुरुदेव से **'भैरव दीक्षा'** ग्रहण करें।
25. भगवान विष्णु का पूजन कर पीले पुष्प अर्पित करें।
26. प्रातः चेतना मंत्र की दो माला जप अवश्य करें।
27. सद्गुरुदेव से 'शनि प्रसन्न दीक्षा' ग्रहण करें।
28. कुंकुम मिश्रित जल से सूर्य को अर्घ्य प्रदान करें।
29. **वट सावित्री पूर्णिमा** पर गृहस्थ सुख में वृद्धि हेतु **'शिव गौरी साधना'** (जून 2026) सम्पन्न करें।
30. **'बजरंग बाण'** का पाठ कर दिन का आरम्भ करें।